सर्वश्रेष्ठ रिपोर्टिंग
सोसा-2002

# राजस्थान पत्रिका

एशिया के भाषायी समाचार-पत्रों में सर्वश्रेष्ठ

सर्वश्रेष्ठ छपाई
इफ्रा एशिया-2002

www.rajasthanpatrika.com

...र, श्रीगंगानगर, भीलवाड़ा, अलवर, अजमेर, बंगलौर और अहमदाबाद से एक साथ प्रकाशित

उदयपुर, सोमवार, 10 मार्च 2003

वर्ष: 48, अंक: 4

पृष्ठ सोलह

की व्यापक भागीदारी ने सिद्ध कर दिया है सर्वश्रेष्ठ कॉपी और डिजायन का तृतीय

उदयपुर के राजप्रासाद प्रांगण में रविवार को महाराणा मेवाड़ फाउण्डेशन की ओर से अलंकरण समारोह में राज्यपाल अंशुमान सिंह [बाएं से क्रमश:] जावेद अख्तर, डा. गिरिजा देवी, ओम थानवी, श्रीमती गंगा आर सिंह को सम्मानित करते हुए। -पत्रिका फोटो

# परस्पर विश्वास में कमी चिंताजनक: अंशुमान

## महाराणा मेवाड़ फाउंडेशन सम्मान समर्पण समारोह

उदयपुर 9 मार्च।

राज्यपाल अंशुमान सिंह ने कहा है कि आज देश और दुनिया दोनों ही कठिन दौर से गुजर रहे हैं और जिस प्रकार से आतंकवाद फैल रहा है, युद्ध के बादल मंडरा रहे हैं उससे साफ है कि परस्पर विश्वास में कमी आ रही है बल्कि विश्वासघात की भावना प्रबल हो रही है जो चिंताजनक है।

राज्यपाल रविवार को यहां सिटी पैलेस प्रांगण में महाराणा मेवाड़ फाउंडेशन की ओर से आयोजित वार्षिक सम्मान समर्पण समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। समारोह में शिक्षा, साहित्य कला, खेलकूद, पर्यावरण पत्रकारिता सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए 126 लोगों को सम्मानित किया गया। सिंह ने कहा कि विश्व में आतंकवाद और युद्ध के खतरे के माहौल में इस तरह के अलंकरण समारोह एक सुखद घटना है। इन अलंकरणों का महत्व बनाए रखने के लिए जरूरी है कि अलंकृत विभूतियां प्रगति के नए आयाम स्थापित करें, जिससे लोगों में यह उत्सुकता बने कि आने वाले वर्षों में कौन इसका हकदार होगा।

समारोह में हकीम खां सूर सम्मान से नवाजे गए जाने माने पटकथा लेखक जावेद अख्तर ने कहा कि जिस हकीम खां सूर के नाम से उन्हें यह पुरस्कार दिया गया है वह केवल एक सेनापति या सिपाही या वफादार साथी ही नहीं था बल्कि एक विचारधारा था उसका सोचने का तरीका, जीने का अपना ढंग था। यकीन नहीं आता जिस देश में हकीम खां जैसा व्यक्ति पैदा हुआ वहीं जिन्ना भी हुआ। हकीम खां सूर का आदर्श और उसूल यह था कि कौमें धर्म से नहीं बनतीं। आज कौमें धर्म से बनाने की कोशिश हो रही है। धर्म देश और कौम नही बनाते, धर्म कौम का हिस्सा हो सकते हैं।

(शेष पृष्ठ 10 पर)

162

पृष्ठ एक का शेष

# परस्पर विश्वास में कमी चिंताजनकः अंशुमान

एक बार कोशिश की और इसकी कीमत हिन्दुस्तानी लोगों ने अदा की। एक देश के तीन टुकड़े हो गए लेकिन इसके बाद भी सीख नहीं ली जा रही है। धर्म से राष्ट्र और कौम न कभी बना है और न बनेगा। समारोह में हल्दीघाटी सम्मान से अलंकृत दैनिक जनसत्ता के कार्यकारी संपादक ओम थानवी ने कहा कि आज पत्रकारिता पर बाजार, व्यावसायिकता हावी हो गई है और इसमें गंभीर पत्रकारिता की कोई जगह नहीं रह गई है। ऐसे में मेवाड़ फाउंडेशन ने पत्रकारिता के महत्व को समझा है जो सराहनीय है। समारोह में कर्नल जेम्स टॉड अवार्ड से सम्मानित एम.एम. के की बेटी निकी ने अपनी माँ का संदेश पढ़ा जिसमें उन्होंने कहा कि वे भारत और भारत के लोगों से खूब स्नेह करती है। उन्होंने पुरस्कार के लिए फाउंडेशन का आभार जताया। के की पुस्तक फार पेवेलियन्स का उल्लेख करते हुए निकी ने कहा कि पुस्तक में के ने राजस्थान और विशेष रूप से मेवाड़ की जीवन शैली पर अपने अनुभव लिखे हैं। चौरानवे वर्ष की के की इस पुस्तक की करीब डेढ़ करोड़ प्रतियां बिकी हैं। संदेश में के ने अपनी एक कविता की दो पंक्तियों का भी उल्लेख किया है और कहा है कि मेवाड़ की धरती पूर्ण संतुष्टि प्रदान करने वाली है और वे चाहती है कि बार बार मेवाड़ में आएं। समारोह के अध्यक्ष मेवाड़ महा मंडलेश्वर महंत मुरली मनोहर शरण शास्त्री ने आशीर्वचन दिए। फाउंडेशन के अध्यक्ष अरविंद सिंह मेवाड़ ने स्वागत भाषण दिया। अंत में धन्यवाद संयोजक त्रिलोक शर्मा ने दिया।

समारोह में राज्यपाल ने मेवाड़ व राजस्थान के प्रति सेवाओं के लिए अन्तरराष्ट्रीय स्तर का कर्नल जेम्स टॉड अलंकरण भारतीय मूल की ब्रिटिश लेखिका एम.एम. के को प्रदान किया। के समारोह में उपस्थित नहीं हो पाई। उनकी ओर से यह सम्मान उनकी बेटी निकी हेमिल्टन ने लिया। अलंकरण के तहत उनको 51 हजार एक रुपए, रजत तोरण, शॉल एवं प्रशस्ति पत्र भेंट किए गए। राष्ट्रीय स्तर का हकीम खां सूर अलंकरण जाने माने पटकथा लेखक, कवि एवं गीतकार जावेद अख्तर [मुम्बई] को प्रदान किया गया। पत्रकारिता के माध्यम से समाज की सेवा के लिए प्रदत्त राष्ट्रीय स्तर का हल्दीघाटी अलंकरण हिन्दी दैनिक 'जनसत्ता' के कार्यकारी सम्पादक ओम थानवी को प्रदान किया गया। जोधपुर जिले के फलौदी कस्बे में जन्मे थानवी ने बीकानेर में शिक्षा ग्रहण करने के बाद सन् 1980 में राजस्थान पत्रिका से अपने पत्रकारिता जीवन की शुरूआत की। पर्यावरण संरक्षण-संवर्द्धन के क्षेत्र में की गई सेवाओं के लिए महाराणा उदयसिंह अलंकरण इस वर्ष भारतीय नौ सेना की इकाई नेवल डॉकयार्ड, मुम्बई को प्रदान किया गया। यह सम्मान रीयर एडमिरल वासुदेव बोस ने ग्रहण किया। अपने निर्धारित दायित्व की सीमा से ऊपर उठकर की जाने वाली समाज की स्थाई मूल्यों की सेवाओं के लिए राष्ट्रीय स्तर का पन्नाधाय अलंकरण श्रीमती गंगा आर. सिंह [जयपुर] को प्रदान किया गया। इन सभी को 25001-25001 नगद, रजत तोरण, शॉल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समाज में शैक्षिक, चारित्रिक, नैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए महाराणा मेवाड़ अलंकरण इस बार चार विशिष्ट व्यक्तियों को दिया गया। इसमें उदयपुर के महाराणा भूपाल सार्वजनिक चिकित्सालय में गत कई वर्षों से गरीबों को निःशुल्क भोजन एवं दवाएं मुहैया कराने में लगे भैरू भाई पंवार, हल्दीघाटी में महाराणा प्रताप की स्मृति में संग्रहालय की स्थापना करने वाले मोहनलाल श्रीमाली, आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति से कैंसर जैसी दुःसाध्य बीमारी के उपचार की दवा विकसित करने वाले डॉ. नन्दलाल तिवारी [जयपुर] एवं कृत्रिम घुटने का निर्माण करने वाले डॉ. के.एच. संचेती [पुणे] को यह सम्मान दिया गया। इसके तहत चारों को 12001-12001 रुपए नगद, रजत तोरण, शॉल एवं प्रशस्ति पत्र भेंट किए गए। संचेती की ओर से सम्मान श्रीमती रूपल भार्गव ने ग्रहण किया। भारतीय शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में डागर घराना सम्मान शास्त्रीय गायिका डॉ. गिरिजा देवी को प्रदान किया गया। इस सम्मान में 10001 रु., रजत तोरण, शॉल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। समाज में वैदिक परम्पराओं की स्थापना एवं व्यावहारिक कर्मकाण्ड के प्रचार-प्रसार में श्रेष्ठ योगदान के लिए बांसवाड़ा के पं. महादेव शुक्ल तथा वैदिक साहित्य सृजन के लिए जयपुर के आचार्य [डॉ.] नारायण शास्त्री को हारीत राशि सम्मान प्रदान किया गया। सम्मान स्वरूप 5001-5001 रुपए, रजत तोरण प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया और शॉल ओढ़ाया गया। भारतीय संस्कृति, साहित्य व इतिहास के क्षेत्र में, महाराणा कुम्भा सम्मान इतिहास के क्षेत्र में कार्यरत डॉ. बृजमोहन जावलिया [उदयपुर] को एवं साहित्य के क्षेत्र में डॉ. आनन्द शर्मा [जयपुर] को दिया गया। इन्हें पांच हजार एक रुपए, पांच हजार एक रुपए, तोरण व प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए और शॉल ओढ़ाया गया। ललित कला के क्षेत्र में जोधपुर के डॉ. ज्योति स्वरूप शर्मा एवं उदयपुर के कमल शर्मा को महाराणा सज्जनसिंह सम्मान प्रदान किया गया। इन्हें भी पांच हजार एक पांच हजार एक रुपए प्रशस्ति पत्र तोरण प्रदान किया गया और शॉल ओढ़ाया गया। इसी तरह मेवाड़ के आदिवासी समाज के उत्थान के लिए दिया जाने वाला राणा पूंजा सम्मान इस वर्ष डूंगरपुर बांसवाड़ा के सांसद ताराचंद भगोरा को प्रदान किया गया। उन्हें दस हजार एक रुपए, व शॉल, प्रशस्ति पत्र और रजत तोरण प्रदान किया गया। राज्य के खिलाड़ियों को दिए जाने वाले अरावली सम्मान से राष्ट्रमंडलीय खेलों में निशानेबाजी में स्वर्ण पदक विजेता मेजर राज्यवर्धन सिंह राठौड़ [बीकानेर] एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर गोल्फ में विशिष्ट उपलब्धियां अर्जित करने वाले मास्टर अमनज्योत सिंह [जयपुर] को नवाजा गया। राज्य वर्धन सिंह की ओर से कर्नल लक्ष्मण सिंह ने यह पुरस्कार लिया। फाउण्डेशन की ओर से इस वर्ष तीन विशिष्ट पुरस्कार भी प्रदान किए गए। इनके तहत 5001 रु. पदक एवं प्रशंसा पत्र दिए गए। ये पुरस्कार क्रमशः भारतीय वायु सेना में राजस्थान की प्रथम महिला पायलेट रेणु शेखावत [सिंदरथ-सिरोही], साहित्य क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए रवि एस. वर्मा एवं सेवानिवृत कर्नल कुंवर गुमान सिंह [कोटा] को भारतीय सेना में देश की रक्षार्थ उत्कृष्ट सेवाओं के उपलक्ष प्रदान किए गए। गुमान सिंह की ओर से अलंकरण हनुमंत सिंह ने लिया। समारोह में महाराणा मेवाड़ फाउंडेशन के अध्यक्ष अरविंद सिंह मेवाड़ और मेवाड़ महा मण्डलेश्वर महंत मुरली मनोहर शरणशास्त्री ने भामाशाह, महाराणा राजसिंह एवं महाराणा फतहसिंह सम्मान से 104 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। राजस्थान स्तर के स्नातक स्तरीय विद्यार्थियों को दिए जाने वाले भामाशाह सम्मान के तहत इस वर्ष 32 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। प्रत्येक छात्र-छात्रा को 2,001 रुपए प्रशस्तिपत्र एवं पदक प्रदान किए गए। इसी तरह उदयपुर नगर परिषद सीमा में स्थित महाविद्यालयों तथा उदयपुर स्थित विश्वविद्यालयों से सम्बद्ध महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को खेल-कूद, सांस्कृतिक-सहशैक्षणिक प्रवृत्तियों के लिए महाराणा राजसिंह सम्मान 14 विद्यार्थियों को दिया गया। प्रत्येक को एक हजार एक रुपए, प्रमाण पत्र और पदक दिए गए। उदयपुर नगर परिषद सीमा में स्थित विद्यालयों के अखिल भारतीय सीनियर सैकण्डरी एवं सैकण्डरी तथा राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की सीनियर सैकण्डरी एवं सैकण्डरी स्कूल परीक्षा में उत्तीर्ण प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को शिक्षा एवं खेलकूद, सांस्कृतिक, सहशैक्षणिक प्रवृत्तियों के लिए महाराणा फतहसिंह सम्मान से 58 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। प्रत्येक को 751 रुपए प्रमाण पत्र और पदक प्रदान किया।(कासं)

## तीन बालिकाएं नदी में डूबी

इसकी सूचना होनिया खराड़ी ने कोटड़ा थाना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच तीनों बालिकाओं के शव नदी से बाहर निकलवा कर परिजनों को सौंपे।[कासं]

राजस्थान की